- क्या आपके बच्चों के टेढ़े-मेढ़े दांतों ने आपको बड़ी उलझन या चिन्ता में डाल रखा है ?
- क्या आपके बच्चों के टेढ़े-मेढ़े दांतों के कारण उन्हें स्कूल, कॉलेज या पार्टी में शर्मिन्दगी महसूस करनी पड़ती है ?
- क्या आपके बच्चे की खोई हुई सुन्दर मुस्कान उसकी प्रगति में बाधा तो नहीं बन रही ?
- कहीं आपके बच्चे टेढ़े-मेढ़े दांतों की वजह से अच्छी कम्पनियों में प्लेसमेन्ट के अवसर खो तो नहीं रहे हैं ?
- क्या टेढ़े-मेढ़े दांतों की वजह से आपके बच्चों की सगाई या शादी में अड़चन आ रही हैं ?

अगर आपका बच्चा ऐसी किसी भी परिस्थिति से गुजर रहा है तो उसे जल्दी ही ऑर्थोडोन्टिक उपचार की जरूरत है।

जानिये!

ऑर्थोडोन्टिक उपचार के बारे में

ऑर्थोडोन्टिक उपचार क्या है?

टेढ़े-मेढ़े दांतों को ब्रेसेस और तार लगा कर सीधा करने की तकनीक को ऑर्थोडोन्टिक्स कहते हैं। ''यह एक विज्ञान एवं कला है जिसके द्वारा दांतों एवं जबड़ों को सीधा किया जाता है एवम् एक लेवल में लाया जाता है।'' डेन्टिस्ट जो इस विज्ञान में उच्च उपाधि प्राप्त करते हैं, उन्हें ऑर्थोडोन्टिस्ट कहा जाता है।

सिर्फ ऑर्थोडोन्टिस्ट ही क्यों? इस उपचार के लिए!

क्योंकि ऑर्थोडोन्टिस्ट टेढ़े-मेढ़े दांतों एवं जबड़ों के उपचार में उच्च शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। सभी डेन्टिस्ट ऑर्थोडोन्टिस्ट नही होते है।

इसलिए आप के लिए यह जरूरी है कि

उपचार से पहले

उपचार के बाद

आप केवल एक ऑर्थोडोन्टिस्ट से ही अपने बच्चों के टेढ़े-मेढ़े दांतों एवं जबड़ों का इलाज करवायें, ऑर्थोडोन्टिस्ट को इस विज्ञान में महारत हासिल होती है एवं एवं जिन्हे B.D.S. के बाद 3 वर्ष की उच्च शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्राप्त करने पर एम.डी.एस. (MDS) की डिग्री डेन्टल कांउसिल ऑफ इण्डिया (DCI) द्वारा प्रदान की जाती है।

ऑर्थोडोन्टिक उपचार किसको चाहिए?

ऑर्थोडोन्टिक उपचार हर उस बच्चे एवं व्यक्ति को चाहिए जिनके दांत टेढ़े-मेढ़े हों, जिनके

दांतों में जगह हो, जिनके दांत बहुत बाहर आये हुए हों या जिनके दांत बहुत अन्दर गये हुए हों, इनके अलावा जिनके जबड़े की साईज बड़ी या छोटी हो, जिनके जबडे के ज्वाईन्ट में दर्द हो तथा उन मरीजों लिए जिनको कटे होंठ या तालू की तकलीफ हों।

ऑर्थोडोन्टिक उपचार का क्या फायदा?

ऑर्थोडोन्टिक उपचार आपके बच्चों के दांतों को सीधा करके उनके चेहरे की सुन्दरता को निखारता है तथा उनकी खोई हुई मुस्कान को वापस लौटाता है तथा उनके अन्दर आगे बढ़ने की भावनाओं को नया आयाम देता है।

उपचार से पहले

उपचार के बाद

उपचार किस उम्र में प्रारम्भ हो?

इस प्रश्न का सिर्फ एक जवाब मुश्किल है, क्योंकि टेढ़े-मेढ़े दांतों एवं जबड़ों की खराबी को ठीक करने का अपना एक समय होता है। इसलिए बच्चों को 8-16 वर्ष की उम्र में ही ऑर्थोडोन्टिस्ट के पास ले जाना चाहिए। बहुत बच्चों में जल्दी प्रारम्भ किया गया उपचार अच्छे परिणाम प्रदान करता है जो कि शायद बाद में उपचार करवाने पर संभव ना हो सके, क्योंकि उस समय तक बच्चों का पूर्ण विकास हो जाता है।

एक और फायदा यह होता है कि जल्दी

उपचार समाप्त हो जाता है तथा समय भी कम लगता है।

क्या बड़ों में यह उपचार सम्भव है?

ऑर्थोडोन्टिक उपचार किसी भी उम्र में सम्भव है लेकिन यह उनकी मसुड़ों तथा दांतों की हड्डी की स्थिति पर निर्भर करता है।

हम शुक्रगुजार हैं आज के इस आधुनिक युग के, जिसकी तकनीक ने हमें छोटे, अदृश्य ब्रेसेस प्रदान किये हैं।

ब्रेसेस क्या है?

ब्रसेस इस उपचार का मुख्य आधार है। ये स्टील/सिरामिक/गोल्ड के बने होते हैं तथा इन्हें दांतों पर चिपकाया जाता है। इनका आकार बहुत ही छोटा तथा आकर्षक होता है।

सारे दांतों पर ब्रेसेस लगाने के बाद इस पर तारबंदी की जाती है। आज के इस बढ़ते दौर में ऐसे ब्रेसेस भी उपलब्ध हैं जो अदृश्य होते हैं। इससे उपचार तो होता ही है और आपके आसपास वालों को पता भी नहीं चलता।

क्या यह उपचार दर्द भरा होता है?

वैसे तो इस उपचार में दर्द नहीं होता है लेकिन कभी-कभी ब्रेसेस लगाने के बाद मामुली सा दर्द 2-3 दिन तक रहता है। ऑर्थोडोन्टिक उपचार में नई तकनीक के आगमन से उपचार के दौरान होने वाली तकलीफ को काफी कम कर दिया है।

उपचार से पहले

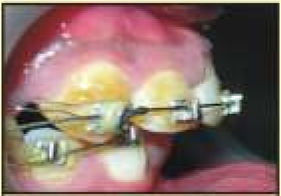
उपचार के बाद

क्या खान-पान का ध्यान रखना पड़ता है?

जी हाँ! बच्चों को खासकर चॉकलेट का सेवन बन्द करना पड़ता है। कठोर वस्तु जैसे चिक्की, मांसाहार, सुपारी आदि का सेवन नहीं करना चाहिए।

क्योंकि ये सारी वस्तुएं आपके ब्रेसेस को ढ़ीला कर सकती है या तोड़ भी सकती है, जिसकी वजह से आपके उपचार में ज्यादा समय लग जाता है।

उपचार का कुल समय?

वैसे तो उपचार का समय दांतों की स्थिति पर निर्भर करता है लेकिन ज्यादातर पेसेन्ट्स में यह उपचार एक से दो साल के भीतर समाप्त हो जाता है। उपचार का कुल समय पेसेन्ट के सहयोग पर भी निर्भर करता है।

उपचार के दौरान कब-कब जाना?

प्रारम्भ में एक सप्ताह में 1-2 बार आना पड़ता है क्योंकि इस समय सारे ब्रेसेस लगते हैं। इसके बाद हर माह में केवल एक बार चैकअप के लिए आना पड़ता है।

अगर समय पर चैकअप ना करा सके तो?

इस स्थिति में आपको अपने डेन्टिस्ट या ऑर्थोडोन्टिस्ट को एक या दो दिन पहले इत्तला करना पड़ेगा तथा नहीं आने की स्थिति में फोन पर उचित सलाह लेवें।

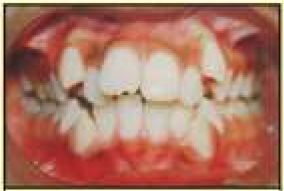

उपचार से पहले

उपचार के बाद

उपचार के लिए अपने शहर के या नजदीकी ऑर्थोडोन्टिस्ट का ही चुनाव करें क्योंकि उपचार के दौरान अगर ब्रेसेस या तार टुट जाये तों आपका उपचार उसी समय रूक जाता है तथा दांतों के पुरानी स्थिति में जाने की सम्भावना रहती है।

अब आपके अपने जोधपुर शहर में

टेढ़े-मेढ़े दांतों एवं जबड़ों को सीधा करने के पश्चिमी राजस्थान के एकमात्र विशेषज्ञ

डॉ. जितेन्द्र बोथरा

B.D.S., M.D.S. (ORTHODONTIST)

टेढ़े-मेढ़े दांतों एवं जबड़ों को सीधा करने के विशेषज्ञ

की नियमित सेवाएँ उपलब्ध

शुभम् हॉस्पिटल

B-59, कमला नेहरू नगर विस्तार-1, जोधपुर

फोन: 9413329547 9950242589

स्पेशियालिटी-

- टेढ़े-मेढ़े दाँतों को सीधा करना।
- टेढ़े-मेढ़े जबड़ों को सीधा करना।
- अदृश्य(Lingual) ब्रेसेस लगाना।
- दाँतों के रंग के ब्रेसेस लगाना।
- स्माईल डिजायनिंग।

प्रतिमाह सेवाएँ उपलब्ध

बालोतरा - **जाह्नवी हॉस्पिटल** फोन : 9414108054

पाली - **सुराणा हॉस्पिटल** फोन : 9982847410

सांचौर - **बोथरा हॉस्पिटल** फोन : 9414425391

नागौर - **परिहार डेन्टल क्लिनिक** फोन : 9460522495